शामें मलंग सी
रातें सुरंग सी
वादी उड़ान पे ही ना जाने क्यूं
इलाही मेरा जी आये आये
इलाही मेरा जी आये आये

कल पे सवाल है जीना फ़िलहाल है
खाना बदोशियों पे ही जाने क्यूं
इलाही मेरा जी आये आये
इलाही मेरा जी आये आये

मेरा फलसफा कंधे पे मेरा बस्ता
चला मैं जहां ले चला मुझे रस्ता
फूलों पे नहीं बूंदों के समंदर पे
इलाही मेरा जी आये आये
इलाही मेरा जी आये आये

शामें मलंग सी, रातें सुरंग सी
वादी उड़ान पे ही ना जाने क्यूं
इलाही मेरा जी आये आये
इलाही मेरा जी आये आये

Writing By **Shivam kumar**
Visit this website
www.theelyrics.com